

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	<p>पौष 15, मंगलवार, शके 1942-जनवरी 05, 2021 <i>Pausa 15, Tuesday, Saka 1942-January 05, 2021</i></p>	

भाग 6 (ग)

ग्राम पंचायत संबंधी विज्ञप्तियां आदि।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
(पंचायती राज विभाग)

आदेश

जयपुर, जनवरी 04, 2021

एफ 3 () परांवि/जांच/लक्ष्मणगढ/सीकर/20/01 - श्री विजेन्द्र कुमार, निलम्बित पंचायत समिति सदस्य (वार्ड संख्या-18) पंचायत समिति लक्ष्मणगढ, जिला सीकर विरुद्ध तीसरी संतान का जन्म होने संबंधी आरोप प्रथम दृष्टया पाये जाने पर उक्त पंचायत समिति सदस्य को विभागीय पत्रांक 2560 दिनांक 09.12.2020 आरोप पत्र जारी कर दिनांक 24.12.2020 उसके पूर्व अपना स्पष्टीकरण चाहा गया था तथा विभागीय आदेश क्रमांक 2561 दिनांक 09.12.2020 के द्वारा निलंबित किया गया।

प्रकरण चूंकि तीसरी संतान होने से संबंधित है अतः इस तथ्य की पुष्टि हेतु जिला कलक्टर, सीकर को विभागीय पत्रांक 2594 दिनांक 15.12.2020 के द्वारा प्रिंसीपल मेडिकल ऑफिसर की अध्यक्षता में मेडिकल बोर्ड का गठन करवाया जा कर श्री विजेन्द्र कुमार की पत्नि श्रीमती अंजू देवी के प्रसव के संबंध में जांच रिपोर्ट 3 दिवस में भिजवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके क्रम में जिला कलक्टर, सीकर द्वारा अपने पत्रांक 1448 दिनांक 24.12.2020 से अवगत करवाया गया कि उनके द्वारा मेडिकल बोर्ड का गठन किया जा कर श्रीमती अंजू देवी को बोर्ड के समक्ष दिनांक 18.12.2020 को प्रातः 11.00 बजे समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिये नोटिस जारी किया गया। श्रीमती अंजू देवी घर पर नहीं मिली तथा घर पर उपस्थित अन्य सदस्यों ने नोटिस लेने से इंकार कर दिया। अतः स्वतंत्र गवाहों के समक्ष नोटिस घर के मुख्य दरवाजे पर चस्पानगी की गई तथा विडियोग्राफी करवायी गयी एवं उक्त नोटिस विकास अधिकारी, पंचायत समिति लक्ष्मणगढ द्वारा दैनिक भास्कर एवं राजस्थान पत्रिका के शेखावाटी संस्करण में प्रकाशित करवाया गया। किन्तु श्रीमती अंजू देवी दिनांक 18.12.2020 को मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित नहीं हुई।

जिला कलक्टर द्वारा अपने इस पत्र में यह भी अवगत कराया कि नैसर्गिक न्याय को दृष्टीगत रखते हुये पुनः एक अवसर और देने हेतु दिनांक 21.12.2020 को प्रातः 11.00 बजे मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने के लिए पुनः नोटिस जारी किया गया तथा नोटिस चस्पानगी, विडियोग्राफी एवं विकास अधिकारी, पंचायत समिति लक्ष्मणगढ द्वारा दैनिक भास्कर एवं राजस्थान पत्रिका के शेखावाटी संस्करण में पुनः नोटिस प्रकाशित की कार्यवाही की गई। किन्तु श्रीमती अंजू देवी दिनांक 21.12.2020 को दोपहर दो बजे तक मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित नहीं हुई जबकि बोर्ड के समक्ष प्रातः 11.00 बजे तक उपस्थित होना था।

जिला कलेक्टर, सीकर से प्राप्त उक्त पत्र के क्रम में विभागीय पत्रांक 2754 दिनांक 24.12.2020 द्वारा श्रीमती अंजू देवी को पुनः 7 दिवस का अंतिम अवसर प्रदान करते हुये मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होकर मेडिकल परीक्षण करवाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके क्रम में जिला

कलेक्टर, सीकर ने अपने पत्रांक 1491 दिनांक 30.12.2020 से यह अवगत करवाया गया है कि उनके द्वारा श्रीमती अंजू देवी को दिनांक 29.12.2020 को प्रातः 11.00 बजे मेडिकल जांच हेतु राजकीय श्री कल्याण चिकित्सालय, सीकर में उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया। उक्त क्रम में नोटिस की तामिल के लिए तहसीलदार लक्ष्मणगढ एवं विकास अधिकारी, पंचायत समिति लक्ष्मणगढ श्रीमती अंजू देवी के निवास स्थान पर पहुंचे लेकिन श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री विजेन्द्र कुमार घर पर नहीं मिली तथा घर पर उपस्थित अन्य सदस्यों ने नोटिस लेने से इंकार कर दिया। अतः स्वतंत्र गवाहों के समक्ष नोटिस घर के मुख्य दरवाजे पर चस्पा नगी की गई। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी के पत्रांक 477 दिनांक 29.12.2020 के द्वारा अवगत कराया गया कि श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री विजेन्द्र कुमार मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित नहीं हुई।

उक्त नोटिस के क्रम में आरोपी श्री विजेन्द्र कुमार, निलम्बित पंचायत समिति सदस्य द्वारा जरिये ई-मेल दिनांक 24.12.2020 अपना अभिकथन प्रस्तुत करते हुए यह वर्णित किया गया कि उनके द्वारा दिनांक 16.12.2020 को अपने घर की दीवार पर नोटिस चस्पा देखा गया किन्तु नोटिस के साथ आरोप पत्र की प्रति घर पर चस्पा नहीं की जो कि करनी चाहिये थी। साथ ही यह भी लिखा गया कि मैं पिछले 2 दिवस से अस्वस्थ हूँ और कोविड-19 महामारी के चलते शंका के आधार पर मैं अपने आप घर से अलग क्वारैंटाइन होकर आयुर्वेदिक उपचार ले रहा हूँ। इसलिए मुझे आरोप पत्र की प्रति उपलब्ध करवायी जावे तत्पश्चात मेरी अस्वस्थता व कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुये जवाब हेतु एक माह का समय दिया जावे।

आरोपी श्री विजेन्द्र कुमार के उक्त अनुरोध को ध्यान में रखते हुये विभाग द्वारा पत्रांक 2755 दिनांक 24.12.2020 के द्वारा उन्हें अतिरिक्त समय देते हुये 7 दिवस के अन्दर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया।

उपरोक्त वर्णित तथ्यों से स्पष्ट है कि विभाग द्वारा आरोपी श्री विजेन्द्र कुमार को अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुये लगाये गये आरोपों का खण्डन किये जाने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया जा चुका है। किन्तु उनके द्वारा अपने लिखित अभिकथन दिनांक 24.12.2020 एवं दिनांक 31.12.2020 में कही भी किसी भी प्रकार से लगाये गये आरोप का खण्डन नहीं किया गया है अपितु सारहीन एवं अतार्किक कथन लिखते हुये अनावश्यक समय चाहा जा रहा है। उनके द्वारा इस प्रकार से खण्डन नहीं किया जाना आरोपों के स्वीकारोक्ति की श्रेणी में आता है। इसी प्रकार आरोपी श्री विजेन्द्र कुमार की पत्नि श्रीमती अंजू देवी को मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होकर मेडिकल परीक्षण करवाये जाने हेतु न्यायोचित अवसर प्रदान किया गया। किन्तु श्रीमती अंजू देवी जानबूझ कर मेडिकल परीक्षण के लिए उपस्थित नहीं हो रही है। उप स्वास्थ्य केन्द्र खातीपुरा लक्ष्मणगढ के रिकार्डनुसार श्रीमती अंजू देवी का चार बार ए.एन.सी. चैकअप हुआ जो दिनांक 7.5.2020 (प्रथम), 20.6.2020 (द्वितीय) 6.8.2020 (तृतीय) तथा प्रसव की संभावित तिथि 3.12.2020 थी। इससे प्रतीत होता है कि श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री विजेन्द्र कुमार को मेडिकल बोर्ड के समक्ष छः सप्ताह तक उपस्थित होना आवश्यक है अन्यथा जांच के आधार पर प्रसव के संबंध में कुछ भी कहना संभव नहीं है।

उपरोक्त वर्णित समस्त तथ्यों, जिला कलेक्टर, सीकर से प्राप्त तथ्यात्मक प्रतिवेदन एवं आरोपी श्री विजेन्द्र कुमार द्वारा प्रस्तुत अभिकथनों तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल याचिका 302/2001 जावेद एवं अन्य बनाम हरियाण राज्य में पारित निर्णय दिनांक 30.07.2003 की भावना spirit के परिप्रेक्ष्य में, जांच में भी सबूतों के आधार पर एवं उसके विरुद्ध लगाये गये आरोप का खण्डन नहीं करने के कारण आरोप प्रमाणित पाया जाता है। इस कारण राज्य सरकार श्री विजेन्द्र कुमार, निलम्बित पंचायत समिति सदस्य (वार्ड संख्या-18) पंचायत समिति लक्ष्मणगढ, जिला सीकर को

राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा-39(2) के तहत पंचायत समिति सदस्य पद से हटाते हुए पंचायत समिति सदस्य (वार्ड संख्या-18) पंचायत समिति लक्ष्मणगढ, जिला सीकर के पद को रिक्त घोषित करते हुए पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने हेतु स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने के आदेश प्रदान करती है ।

आज्ञा से,
अनुप्रेरणा सिंह कुन्तल,
अति.आयुक्त एवं संयुक्त शासन
सचिव द्वितीय (जांच) ।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।